Seventeenth Loksabha

an>

Title: Unemployment among Educated Youth.

श्री रितेश पाण्डेय (**अम्बेडकर नगर**): सभापति महोदय, हमारे देश में युवाओं को बेरोजगारी को लेकर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी कड़ी में करीब 12 हजार नौकरियां स्टार्ट अप की दुनिया में खत्म कर दी गयी हैं, जिसमें ओला, ब्लिंक इट, बायजू, अन एकेडमी, वेदांतू, कार 24, मोबाइल प्रीमियर लीग, लीडो लर्निंग आदि कंपनियों ने हजारों लोगों को निकालने का काम किया है, जिसकी वजह से आगे यह भी माना जा रहा है कि इन्हीं स्टार्ट अप सेक्टर्स में करीब 50 हजार नौकरियों को खत्म कर दिया जाएगा।

मैं आपके माध्यम से यह अवश्य कहना चाहता हूं कि जो युवाओं और नौजवानों को नौकरी देने के लिए कानून बने हैं, उसमें जो री-स्ट्रक्चरिंग ऑफ कॉस्ट मैनेजमेंट का एक क्लॉज डाला गया है, उसे ये कंपनियां रामबाण की तरह से अपने बिजनेसेज में इस्तेमाल कर रही हैं।

13.00 hrs

वे इसका बहाना लेकर लोगों को निकालने का काम कर रही हैं, जिसकी वजह से युवाओं का भविष्य पूरी तरह से अंधकार में आ गया है। इस कारण से हजारों और लाखों परिवार अंधकार में चले गए हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्री जी से यह निवेदन करता हूँ कि वे इस मामले को गंभीरता से देखने का काम करें। जहाँ हमारे देश में नए-नए यूनिकॉर्न बन रहे हैं और नौजवानों को कहा जाता है कि आप अपनी टेक्निकल स्किल्स को और इम्प्रूव करिए ताकि आपको नौकरियाँ मिल सकें, वहाँ पर इन नौजवानों को हमें सुरक्षा देने की जरूरत है। उनको आपकी सुरक्षा की जरूरत है और उसके लिए आप श्रम एवं रोजगार मंत्री को निर्देशित कीजिए कि इस मामले की गंभीरता में जाएं और इन नौजवानों को एक

सुरक्षा कवच देने का काम करें ताकि उनकी नौकरियाँ बची रहें। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय सभापति: श्री सुभाष चन्द्र बहेड़िया जी, आप अपना शून्यकाल वाला मैटर बोलिए।